केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा, नारनौल

KENDRIYA VIDYLAAYA RAGHUNATHPURA

E-MAGAZINE

KENDRIYA VIDYALAYA RAGHUNATHPURA
Website: raghunathpura.kvs.ac.in
Phone no : 01282-252314

"सन्देश"

इबादत जब भी करनी हो तो कुछ इस तरह करना....
बैठकर नन्हे बच्चे संग जरा सा मुस्कुरा लेना....

प्रतिवर्ष विद्यालय पत्रिका प्रकाशन का समय आता है तो मन में उत्साह भर जाता है।मैं मन ही मन सोचती हूं कि अब विद्यार्थियों के द्वारा कुछ नया सोचा जाएगा, कुछ नया लिखा जाएगा और उनके मन-मस्तिष्क की जो पंखुड़ियां हैं, उड़ान भरकर हमारे सामने खिल-खिलायेंगी। सत्र 2019-20 की विद्यालय पत्रिका भी निश्चित ही विशेष है। इसमें होंगे नन्हे-नन्हे बच्चों की आंखों में छुपे सपने, उनके मन में छुपी उड़ान, आसमान को छू लेने वाली तड़प और हम सबको चकित कर देने वाली वैज्ञानिक सोच, बौद्धिक लेख और स्वरचित रचनाएं।

विद्यार्थियों की स्वरचित रचनाएं नि:संदेह हमें गौरवान्वित और पुलकित करने वाली हैं।गर्व होता है यह जानकर कि विद्यार्थियों के मन मस्तिष्क में कितना कुछ व्याप्त है। इनमें हैं पूरे राष्ट्र को एक कर देने वाली सोच, जाति-धर्म से ऊपर उठाने वाले विचार एवं अतीव देश प्रेम की भावना।

विद्यालय पत्रिका के इस नए संस्करण पर पूरे विद्यालय परिवार को, सभी छात्र छात्राओं को, नन्हे-मुन्ने कवियों और लेखकों को तथा अभिभावकों को मेरी ओर से ढेर सारी शुभ कामनाएँ।

ऐसे बैठ कर ना देख अपने हाथ की लकीर को...।
उठ! कमरकस और लिख दे अपनी तकदीर को...।

प्राचार्या
श्रीमती निर्मला बुडानिया
केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा
हरियाणा

“सन्देश”

हम करें राष्ट्र का अर्चन .....

तन से, मन से, धन से, तन मन धन जीवन से.....

मेरा मानना है मनुष्य के द्वारा किया गया कोई भी कार्य कोई न कोई परिणाम अवश्य ही दर्शाता है और यह कार्य यदि किसी रचना या कृति हेतु किया जाए तो निश्चित ही कोई सुखद परिणाम हमारे समक्ष होता है|

हमारे विद्यार्थियों ने विद्यालय पत्रिका में अनेक विषयों पर लिखा है इस महामारी काल में जीवन की जीवटता को जिस प्रकार से उन्होंने प्रकट किया है, वह वाकई काबिले तारीफ है |

सत्र 2019-20 की इस विद्यालय पत्रिका में छात्र छात्राओं के द्वारा जो रचनाएं लिखी गई है उनको पढ़कर मन अभिभूत हो उठता है इन कृतियों को पढ़कर लगता है कि वास्तव में प्रत्येक मन में कुछ न कुछ विशेष छुपा हुआ होता है | ई. विद्यालय पत्रिका प्रकाशित होने पर और भी सुखद अनुभव हो रहा है कि हमारे विद्यार्थी तकनीकी का सदुपयोग कर रहे एवं प्रतिदिन कुछ न कुछ नया सीख रहे हैं |

विद्यालय पत्रिका के नव संस्करण पर मेरी ओर से पूरे विद्यालय परिवार को ढेर सारी शुभकामनाएं |

राजेश कुमार

पीजीटी कंप्यूटर साइंस

केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा

“सन्देश”

मां की गोद में कुछ इस तरह लिपट जाऊं.....

आंचल ओढ़ लूं उसका कि बच्चा फिर से बन जाऊं.....

वाकई जब मैं इन नन्हे बच्चों की कृतियां पढ़ता हूँ तो फिर से बच्चा बनने को जी चाहत है| कितनी अनमोल, कितनी कोमल, कितनी निश्छल और कितनी निर्मल हैं उनकी भावनाएं| इन विद्यार्थियों की काव्य रचनाओं में भोलेपन के साथ ऐसे संदेश भी हैं जो हम विद्वता का दंभ भरने वालों को चकित करते हैं |

इनकी कृतियाँ प्रकृति, विज्ञान, देशप्रेम, इन सभी को समाहित किए हुए हैं | जिस प्रकार एक बीज को उचित खाद पानी और सुरक्षा दी जाए तो निश्चित ही एक बड़े वृक्ष के रूप में हमारे सामने आता है उसी प्रकार बालक को यदि उत्कृष्ट शिक्षा और संस्कार दिए जाएँ तो वह एक उत्तम व्यक्ति और योग्य नागरिक बनता है|

विद्यालय और विद्यालय-पत्रिका दोनों ही विद्यार्थी के चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं | विद्यालय इन को तैयार करता है और विद्यालय पत्रिका इन्हें अपने विचार प्रकट करने का अवसर देती है|

मैं बधाई देता हूं उन सभी बच्चों को और साथ ही है उम्मीद भी करता हूं कि आगे भी इसी प्रकार से प्रयास करते रहें और अपनी भावनाओं को प्रकट रूप लेने दें |

इस पथ का उद्देश्य नहीं है श्रांत-भवन में टिक रहना.....

किंतु पहुंचना उस सीमा तक जिसके आगे राह नहीं.....

उमाशंकर पंवार

स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)

केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा

"केविएस का हिस्सा जब हम एक बार बन जाते हैं"

केविएस का हिस्सा जब हम एक बार बन जाते हैं।
मातृभूमि की सेवा का सपना हम रोज सजाते हैं।

प्रतिदिन नन्हे कदमों से हम विद्यालय में आते हैं।
सच मानो, रोज-रोज कुछ नया सीख कर जाते हैं।

सर्वप्रथम अंतर्मन से हम रोज प्रार्थना गाते हैं।
भोले मन से करी वंदना, ईश कृपा हम पाते हैं।

केविएस का हिस्सा जब हम एक बार बन जाते हैं।
मातृभूमि की सेवा का सपना हम रोज सजाते हैं।

उसके बाद जब अगली बारी प्रतिज्ञा की आती है।
राष्ट्रप्रेम से बड़ा नहीं कुछ बात यही बतलाती है।

कक्षा में सब गुरुजन मेरे ज्ञान की बारिश करते हैं।
जैसे कोरे कागज में, वे नित्य नए रंग भरते हैं।

शिक्षा ही क्या खेलों में भी अपना नाम कमाते हैं।
केवि वाले नामुमकिन को भी मुमकिन कर जाते हैं।

केवीएस का हिस्सा जब हम एक बार बन जाते हैं।
मातृभूमि की सेवा का सपना हम रोज सजाते हैं।

उमाशंकर पंवार

स्नातकोत्तर शिक्षक (हिंदी)

केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा

माँ

नि:शब्द है

,वो सुकून जो मिलता है

माँ की गोदी में सिर रख कर सोने में

वो अश्रु,

जो बहते हैं माँ के सीने से चिपक कर रोने में

वो भाव ,

जो बह जाते हैं अपने ही आप

वो शांति,

जब होता है ममता से मिलाप

वो सुख,

जो हर लेता हैसारी पीड़ा और उलझन

वो आनंद,

जिसमे स्वच्छ हो जाता है मन |

रोनक कुमार

कक्षा-सातवीं

बाल श्रम

किस गुमनाम अँधेरे में

ऐ भारत तू पनप रहा

जहाँ युवा बल ही है शक्ति

कैसे अँधेरा गहरा रहा

जिन हाथो में होना था कलम दवात

वो कैसे ईंट गारो में सन रहा

कैसा मासूम सा फ़रिश्ता

दो वक़्त की कमाने निकल रहा

किन कंधो पर बोझ डाल

ऐ जीवन तू गुज़र रहा

जो ममता के आँचल में खिलना था

वो कैसे कीचड़ से लिपट रहा

जिन मासूम की आँखों में

कोई सपना भी भूलकर न आये

जिन नन्हों के जीवन में

कोई अक्षर ज्ञान भी न छाये

जिनके कोमल बचपन पर

बस मजबूरी ही लहराए

ऐसे अभागे बचपन ही

बाल श्रमिक कहलाये

नेदा फातिमा

कक्षा – दसवीं

तितली कोमल

फुदक रही है फूल फूल पर,

तितली कोमल पंख पसारे|

रंग बिरंगे पंख है उसके

कितने सुन्दर कितने प्यारे |

इसके रंग ढंग को देखो,

पर न इसको हाथ लगाना |

पकड़ोगे तो उड़ जायेगी,

फिर न होगा इसका आना |

“खुशबू “

सफलता

देख रास्ते खुले हुए हैं,

तुम्हे बढ़ना बाकी है |

रुके न तू, नहीं थके तू कभी,

तेरा अंत तक लड़ना बाकी है|

मंजिल तुमसे दूर नहीं है,

अपने कदम बढ़ा के देखो |

तोड़ दो मन के बंधन सारे,

अरमानो की उड़ान भर के देखो |

कठिनाइयाँ भी आसान हो जायेंगी,

नित्य ही तुम अभ्यास करो

सफलता तुम्हें प्राप्त होगी,

भक्ति व पुरुषार्थ में विश्वास करो |

दिल में अपने प्रेम की जोत जला,

अपने मन के सभी द्वार खोल |

जीवन सफल हो जाएगा,

मुस्कान (प्रथम)

कक्षा- दसवीं

सत्य और झूठ

सत्य बोलना पुण्य है, झूठ बोलना पाप |

बार बार जो झूठ कहे,कृपा कीजे नाथ |

मनुष्य प्राणी भी अजीब है,

एक तरफ परम पिता को प्रभु बोलता है

पर मुख का तराजू जब खोलता है,

सत्य को कम व असत्य को अधिक तोलता है |

सत्य वो शाश्वत है,

उसे न झुठलाया जा सकता है |

झूठ पर सदा हावी है सच ,

सत्य को न झूठ से छिपाया जा सकता है |

मुस्कान 1

कक्षा- दसवीं

हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

1. राष्ट्रीय ध्वज–तिरंगा
2. राष्ट्र गान – जन-गण-मन
3. राष्ट्रीय खेल – हॉकी
4. राष्ट्रीय फूल – कमल
5. राष्ट्रीय गीत – वन्दे-मातरम्
6. राष्ट्रीय पुरस्कार- भारत रत्न
7. राष्ट्रीय चिन्ह – अशोक स्तम्भ
8. राष्ट्रीय पशु- बाघ
9. राष्ट्रीय फल – आम
10. राष्ट्रीय कलेंडर- शक संवत
11. राष्ट्रीय नदी – गंगा
12. राष्ट्रीय प्रतीक वाक्य-सत्यमेव जयते
13. राष्ट्रीय स्मारक – ताज महल
14. राष्ट्रीय ग्रन्थ – श्रीमद्भागवत गीता
15. राष्ट्रीय अभिवादन – जय हिन्द
16. राष्ट्रीय भाषा – हिंदी
17. राष्ट्रीयता-भारतीय
18. राष्ट्रीय पक्षी – मोर
19. राष्ट्रीय पर्व – गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गाँधी जयंती

सूर्यांश कुमार- सातवीं

मेरे पापा

मेरे पापा सबसे प्यारे ,

मेरे लिए इस जग में न्यारे,

मेरे पापा मेरी शान मेरे लिए दौलत,

सम्मान उनसे प्यारा कोई नहीं है |

इस दुनिया में वह है सबसे प्यारे

मेरे पापा है सबसे अच्छे ,

मेरे पापा है महान,

मेरे लिए भगवान|

पुलकित प्रियांश

कक्षा- चौथी

मेरे सर

मेरे सर कितने अच्छे,

कितने प्यारे , कितने सच्चे |

नई नई चीजें सिखलाते ,

नहीं कभी हमें डांट लगाते |

पापा की जब याद है आती ,

प्यार से जब सीने से लगाते |

पारस

कक्षा- चौथी

खूब है पढ़ना

बच्चों ! खूब है हमको पढ़ना ,

पढ़कर हमको आगे बढ़ना |

पढ़ने से मिलता है ज्ञान,

पढ़ – लिखकर बनो विद्वान |

पढ़ने से बढाता विज्ञान ,

बनाओ भारत को राष्ट्र महान |

पारस कुमार

कक्षा- चौथी

किसने क्या कहा

1. भारतछोड़ो – महात्मा गाँधी
2. पूर्ण स्वराज – लोकमान्य तिलक
3. वन्दे मातरम् – बंकिम चन्द्र चटर्जी
4. हिंदी, हिन्दू, हिंदुस्तान – भारतेंदु हरिश्चंद्र
5. वेदों की ओर लौटो – दयानंद सरस्वती
6. आराम हराम है – जवाहर लाल नेहरु
7. विजयी विश्व तिरंगा हमारा- श्याम लाल पार्षद
8. जय हिन्द – सुभाष चन्द्र बोस
9. करो या मरो – महात्मा गाँधी
10. दिल्ली चलो – सुभाष चन्द्र बोस
11. इन्कलाब जिंदाबाद – भगत सिंह
12. तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा – सुभाष चन्द्र बोस
13. स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है – बाल गंगाधर तिलक
14. जय जवान जय किसान – लाल बहादुर शास्त्री
15. एकला चलो – रविंद्रनाथ टैगोर

सूर्यांश कुमार

कक्षा-सातवीं

सच्चा विद्यार्थी

विद्या पढ़कर अर्थ ग्रहण करे

वही विद्यार्थी कहलाता |

नियम पालन मन वचन कर्म से करता

वही फलित जीवन पाता |

अहम् भाव त्याग कर

सबको शीश झुकाता,

गुरुजनों की आज्ञा मान

सर्वगुण संपन बन जाता |

परिश्रम ही मूल मंत्र है जीवन का

जो भी यह जान जाता,

कोई कठिनाई नहीं आती

जीवन स्वर्ग बन जाता |

नित्य मेहनत कर-करके

आगे कदम बढाता,

परहित और देश कल्याण से

कभी न जी चुराता |

करिश्मा

बारहवीं(वाणिज्य)

माँ का प्यार

माँ और माँ का प्यार निराला,

उसने ही है मुझे संभाला |

मेरी मम्मी बड़ी प्यारी,

मेरी मम्मी बड़ी निराली |

क्यामैं उनकी बात बताऊँ,

सोचूँ उन्हें कैसे जान पाऊँ |

सुबह सवेरे मुझे उठाती गुड़िया कहकर मुझे जगाती|

जल्दी से तैयार मैं होती, उसके कारण स्कूल जा पाती |

स्कूल से आते ही खुश होती जबमैं मम्मी का चेहरा देखती|

पोष्टिक भोजन मुझे खिलाती, कार्य भी पूरा करवाती |

माँ और माँ का प्यार निराला,

पर मै करती गड़बड़ घोटाला |

जब मै करती कोई गलती,

समझाने की कोशिश करती |

लुटाती मुझपर अधिक प्यार, करती अधिक दुलार मुझ पर |

गुस्सा जब आता, दो मिनट में उड़ भी जाता |

मेरी मम्मी मेरी जान, रखती मेरा पूरा ध्यान |

माँ और माँ का प्यार निराला,

उसने ही है मुझे संभाला |

तन्वी

कक्षा-चौथी

ज़िन्दगी का सफ़र

रात के अंधियारे में एक दिन नाम मेरा भी चमकेगा ,

देखना पापा एक दिन खुदा भी मुझे ढूंढेगा|

ज़िन्दगी का सिलसिला तो यूँ ही चलेगा,

परन्तु आप जैसा साथी मुझे कभी नहीं मिलेगा |

ज़िन्दगी किराह पर ठोकरें ज़रूर लगेंगी ,

परन्तु ठोकरे भी तो कोई ज़हरनहीं जो खाकर मै मरूँगी|

पा ही लूंगी एक दिन मंजिल को,

मुझे पता हैं रास्ता मुश्किलों भरा होगा |

देखना पापा रात के अंधियारोमें,

एक दिन नाम मेरा भी चमकेगा |

सितारों के इस जहाँ में एक नाम हमारा भी होगा,

समुद्र चाहे कितना बड़ा हो ,

परन्तु एक किनारा हमारा भी होगा |

देखना पापा रात के अंधियारों में,

एक दिन नाममेरा भी चमकेगा |

मेरा भी होंसला परिंदों सा आसमान तक उड़ेगा,

कठिनाइयों के सामने भी मेरा सिर नही झुकेगा |

देखना पापा रात के अंधियारोमें,

एक दिन नाम मेरा भी चमकेगा |

अमन

बारहवी(विज्ञान)

मच्छर-चालीसा

मानव तन अनमोल है , सुनो सबहूँ नर- नार

मच्छर चालीसा कहो,करो न सोच विचार

जय जय मच्छर भगवान उजागर

जयअनगिनत रोगों के सागर

रोग दूत अतुलित बल धामा

तुम को जीत न पावे गामा

भेद भाव न तुमको भावे

हर कोई प्रेम तुम्हारा पावे

मधुर मधुर खुजलाहट आवे

सगरी देह लाल हो जावे

स्टूडेंट सदा घबरावे

आठों पहर यश तुम्हारा गावे

अष्ट रोगों के तुम हो दाता

खटमल के हो तुम भ्राता

नगर और गाँव सब तुमको प्यारा

एक छत्र है राज तुम्हारा

तुमने अपना जाल फैलाया

4 को हैजा , 5 को मलेरिया

दसवें को हरिद्वार पहुँचाता

जो कोई पढ़े मच्छर चालीसा

पाँव पसार कर सोए हमेशा

अमन

बारहवीं(विज्ञान)

यह दुनिया

न अच्छा पता है न बुरा पता है,

न भला पता न शातिर पता है |

इंसानों की खुशियाँ लापता है,

न जाने यह दुनिया कैसी है |

कोई ऊँचाइयों को छु रहा है ,

तो दूसरा उससे जल रहा है |

खुशियों का अंत है,

और बुराइयों का प्रसार बढ़ रहा है |

न जाने यह दुनिया कैसी है|

छोटी-छोटी बातोंपर झगड़ने लगते है,

जाने यह लोग ऐसा क्यों करते हैं|

सच्चाई का साथ छोड़कर बुरे को वोट करते है,

यह इंसान ऐसा क्यों करता है|

अब तो भगवान को भी अफ़सोस होता है,

न जाने यह दुनिया कैसी है |

तमन्ना

कक्षा-दसवीं

जिंदगी

जिंदगी भी बड़ी अजीब हो गयी है या फिर किसी बीमारी से ग्रस्त मरीज हो गई है | दुसरो के लिए समय है हमारे पास पर खुद के लिए व्यस्त हो गये हैं| दुसरो को खुश रखने के चक्कर में खुद खुश रहना भूल गये हैं|चलते चलते इस दर्द भरे जहाँ में हम बिखर कर टूट गये हैं| दिखावट पसंद इस दुनिया को दिखाने के लिए पता नहीं क्या क्या करना पड़ता है| टूटा हो दिल फिर भी मुस्कुराना पड़ता है| किसी को दिल ऐ हाल बताने से पहले सौ बार सोचना पड़ता है| शायद हँसेंगे लोग हमारी हालत पर इस बात का भी तो डर लगता है | जिंदगीwhatsapp,facebook,insta पर अटक कर रह गयी है| चाहा तो था इससे खुल कर जीना पर यह बस यही तक सिमित रह गई है | दोस्त बस स्कूल तक सिमित रह गएहैं| अपनों से रिश्ते भी अब लिमिटेड रह गये है| खुद के सपने अब रहे नहीं,| बस माँ बाप के सपने पूरे करने चल पड़े| अपनीजिंदगी के हसीन लम्हों को पीछे छोड़ हम आगे चल पड़े | चलते चलते इस राह में दुःख ज्यादा और खुशियाँ मिली कम, माफ़ करदे हमें ए जिंदगी तुझे नहीं जी पा रहे है हम |

योगिता

बारहवी(विज्ञान)

काश एक तारा बन जाऊँ

तमन्ना है के, एक तारा बन जाऊँ

अग्नि का जलता चिराग बन जाऊँ

ना छु पाए कोई मुझे

ना सुन पाए कोई मुझे

ना मुझे हो किसी की आहट

ना हो किसी को मेरी चाहत

बस दूर कहीं अपनी ही दुनिया बसाऊं

बदलो की ओंट में जाकर छिप जाऊं

तमन्ना है के, एक तारा बन जाऊँ

अग्नि का जलता चिराग बन जाऊँ

बस दूर कही अपनी ही दुनिया बसाऊं

बादलों की ओंट में जाकर छिप जाऊँ

तमन्ना है के, एक तारा बन जाऊँ

अग्नि का जलता चिराग बन जाऊँ

तमन्ना है के, एक तारा बन जाऊँ

युवल

कक्षा- सातवीं

चिंटू की शैतानी

चिंटू को चढा बुखार

हो गया 104 के पार

चिंटू की माँ ने दी एक गोली

और चिंटू से बोली

मैं बाज़ार जा रही हूँ

थोड़ी देर में आ रही हूँ

कुछ देर बाद चिंटू की माँ ने देखा

चिंटू क्रिकेट खेल रहा है

चौके-छक्के पेल रहा है |

फिर चिंटू बोला

स्कूल नहीं था मुझकोजाना,

मैंने बनाया था एक बहाना |

चिंटू की माँ ने हँसीदबाई,

और चिंटू को देदी एक मिठाई

चिंटू की माँ बोली

चिंटू बेटा तू है शैतान,

बहाने बनाने में है महान |

मनीषा कुमारी

कक्षा- दसवीं

शायरी

शाम सूरज को ढलना सिखाती है,

शमा परवाने को जलना सीखाती है|

गिरने वाले को होती है तकलीफ पर,

ठोकर ही इंसान को चलना सिखाती है |

परिंदों को मंजिल मिलेगी यक़ीनन

ये फैले हुए उनके पर बोलते हैं,

अक्सर वो लोग ख़ामोश रहते हैं,

जमाने में जिनके हुनर बोलते हैं|

अभी तो मंजिल पाना बाकी है,

अभी तो इरादे का इम्तेहान बाकी है|

अभी तो तोली है मुट्ठी भर जमींन,

अभी तो तोलना आसमान बाकी है |

ज़मीं से जुड़कर आसमां की बात करो,

स्वप्न नहीं हकीकत से मुलाकात करो |

तूफान से डरते है बुजदिल यारो,

मुसीबत से मर्द की जैसे दो दो हाथ करो

कुलदीप

कक्षा-दसवीं

गुरु

हर प्रकार से नादान थे तुम

गीली के मिटी के समान थे तुम

आकार देकर तुम्हे घड़ा बना दिया

अपने पैरों पर खड़ा कर दिया

गुरु बिना ज्ञान कहाँ

उसके ज्ञान का आदि न अंत यहाँ

गुरु ने दी शिक्षा जहाँ

उठी शिष्टचार की मूरत वहां

अपनी शिक्षा के तेज से

तुम्हे आभा मंडित कर दिया

अपने ज्ञान के वेग से

तुम्हारे उपवन को पुष्पित कर दिया

जिसने बताया तुम्हें ईश्वर

गुरु का करो सदा आदर

जिसमे स्वयं है परमेश्वर

उस गुरु को मेरा प्रणाम सादर

मुस्कान 1

कक्षा – दसवीं

शुरुआत

लग रहा था की यह बात की शुरुआत होगी

पर क्या पता था की यह अंत की शुरआत होगी

चलो शुरुआत तो हुई चाहे अंत की या शुरुआत की

पिंजरे में कैद थी वो सोच रही थी फुर्र होने की

भरने लगी जब वो उड़ान तो उड़ ना सकी वो नादान

दम तोड़ दिया उसने हो गई उसके अंत की शुरुआत

चाहे अंत की हो या उड़ान की

चाहे अंत की हो या उड़ान की

पर हो गई शुरुआतपर हो गई शुरुआत

अन्तिमा

कक्षा – दसवीं

जिन्दगी का खेल

जिंदगी का खेल निराला है दुःख सुख का पिटारा है

एक बात समझ में आ गई

पैसो का ही बोलबाला है यहाँ

ख़ुशी भी पैसो से खरीदी जाती है

और गम भी पैसो की कमी से आता है

लड़ लेते हैं लोग अपनों से तब

कोई रिश्ता समझ नहीं आता है

न जाने कितनो की जिंदगियों से खेलेगा यह कागज का टुकड़ा

क्या बदलेगी ये दुनिया या फिर मुझे बदलना होगा

सोच रही हूँ कब से अब क्या करना होगा ?

अन्तिमा

कक्षा-दसवीं

माता – पिता का संघर्ष

बचपन में ऊंगली पकड़ चलना सिखाया

अपने कन्धों पर बिठा पूरा संसार दिखाया

जेब खाली होते हुए कभी पैसों के लिए मना नहीं किया ,

मैंने अब तक की जिंदगी सबसे अमीर एक पिता को ही देखा

खेलते वक्त जब चोटलगती

तब अपने ज़ख्म भूल हमारे जख्म भरने आते थे

माना भूख हमें लगती थी , पर अहसास माँ को हमसे पहले हो जाता था

बचपन में क्या खूब माता – पिता के प्यार में बंधा हुआ था मैं

ज्यों – ज्यों बड़ा हुआ नजाने क्यों इस बंधन से दूर होता गया मैं

बुरी आदतें मुझे अपनी और खींचने लगी

अच्छे- बुरे में फर्क समझते हुए भी न समझ पाया

माता-पिता ने खूब समझाया, मगर उनकी एक न मानी

बुरी संगती के कारण माता पिता से बिछड़ता रहा|

उनकी मेहनत की कमाई को पानी की तरह बहाता रहा |

लाख कोशिशों के बाद माता- पिता ने समझाना छोड़ दिया

कुछ समय के मैंने उनसे नाता तोड़ दिया |

दोस्तों के कहने पर घर निलाम भी कर दिया

और लाचार माता- पिता को सड़क पर बेसहारा छोड़ दिया

ठिठुरती रात थी सड़क भी सुनसान हो गयी थी

वो अकेले सड़क पर बैठे थे और बेटा घर में चैन की नींद सो रहा था|

बचपन में जिस बेटे को उसके माँ – बाप ने इतना प्यार दिया ,

उसी ने उनको आज अपने हाल छोड़ दिया |

अरे|. एक बार जाकर देख तो लो , वो सड़क पर कैसे जी रहे

है मर गए |

बचपन में माँ उसे कभी भूखे पेट नहीं सोने देती थी,

आज वही लाचार माँ सड़क पर भूखी प्यासी बैठी है |

बचपन में पिता का स्नेह जब उसके दिल को छूकर गया था,

शायद वही आज स्नेह आज उसे दोस्तों से मिल रहा है |

इसलिए लाचार पिता सड़क पर तड़प रहा है |

अरे! वो तो हमारी गलती को झट से माफ़ कर देते थे,

मगर इस गलती को तो शायद ईश्वर भी माफ़ नही कर

पायेगा

हम ही ऐसे है जो माता – पिता की कदर नहीं करते,

एक बार उनसे इनकी कीमत पूछ कर देखो

जिन्हें आज तक माँ का सुकून भरा आँचल और पिता का स्नेह नहीं

मिला, कीमत उसी की समझ आती है , जो अपने पास में हो,

अरे! कमबख्त कभी किसी को रहते हुए भी कदर कर

लिया करो |

माना, श्रवण कुमार नहीं बन सकते , मगर एक बार उनकी

दुआ लेके तो देखो , जीवन सफल बना सकती है |

महिमा

कक्षा-बारहवीं- विज्ञान

ढबवाली की कहानी

एक समारोह का शामियाना जो बन गया लाशों का मुशाफिर खाना

किसे खबर थी कि कहर यूं भी बरसेगा,

मौत का मैला-आँचल ढबवाली में ढहरेगा

चिंटू, बिन्टू और मिंटू आज बहुत मग्न था |

क्या पता ये उनका आज अंतिम दिन था |

वार्षिकोत्सव के ये पल जो बिन चिता मौत के मेहमान बन गए

हमारे छोटे- छोटे फूल बिनाहार शमशान बन गए

बहुत बड़ी मै भूल , जो धुल एक फूल को बनाना

चाहतेहैं |

क्या मौत के सौदागरों का हौसला और बढ़ाना चाहते हैं

एक चिंगारी ने भाप लिया विकराल चारोंतरफ हाहाकार

एक झुलसते हुए बेटे की माँ को पुकार , एक माँ की अंतर्मन

से निकली कुंदन चित्कार|

इससे बड़ा ना भाप होगा मौत का ब्रहमांड में,

कई सौ काल ग्रास बने इस डबवाली अग्नि कांड में |

ये देश और भविष्य के निर्माता जो कर चले विदा इस संसार को,

श्रद्धांजली देता है '' दीप'' स्वीकार कर लिया जिन्होंने मौत के द्वार को |

श्री दीपक कुमार

पी.जी.टी. अर्थशास्त्र

वृद्धाश्रम की भीगी दीवारें

आज कल बुजुर्गों को वृद्धाश्रम में रखने का चलन साचल गया है | पहले के समय में हर में बुजुर्गों कोबहुत ही सम्मान दिया जाता था | उनसे हर बात पर परामर्श लिया जाता था और उन्हें घर में भगवान के सामान मन जाता था |समयके साथ भारत में बहुत से सामाजिक बदलावहो गए हैं | जबकि उन्होंने ही उनको पाला है और अच्छा आदमी आदमी बनाया | लोग कहते हैं कि जिस इंसान से हमें कुछ शिक्षा प्राप्त हो हमें उसका जीवन भर सम्मान करना चाहिए और हमारे माता – पिता तो हमें जीना सिखाते हैं| और हम इनका भी सम्मान नहीं करते | वृद्धाश्रम में हम उन्हें अकेला छोड़ देते हैं हमें ऐसा नहीं करना चाहिए|

लक्की भारद्वाज

12 [विज्ञान}

मेरी माँ

मेरी माँ सबसे प्यारी,

उन्होंने ही मुझे जन्म दिया

उन्होंने ही मुझे पाल-पोश कर बड़ा किया |

अगर वह न होती तो मै भी न होता

उन्होंने ही मुझेपढ़ना लिखना सिखाया |

उन्होंने ही मुझे अच्छा इन्सान बनाया |

मेरी माँ सबसे प्यारी , मेरी माँ सबसे प्यारी |

पुलकित प्रियांश

कक्षा- चौथी

एक सच्चाई ऐसी भी

मेरे कंधे पर बैठा मेराबेटा जब

मेरे कंधे पे खड़ा हो गया

मुझी से कहने लगा देखो

पापा मै तुमसे बड़ा हो गया

मैंने कहा बेटा इस ख़ूबसूरत

गलत फ़हमी में भले जकड़े रहना

मगर मेरा हाथ पकडे रखना

जिस दिन यह हाथ टूट जाएगा

बेटा तेरा रंगीन सपना भी टूट जाएगा

दुनिया वास्तव में उतनी हसीन नहीं है

देख तेरे पाँव तले अभी जमीं नहीं है

मै तो बाप हूँ , बेटा बहुत खुश हों जाऊंगा

जिस दिन तू वास्तव में मुझसे बड़ा हो जाएगा

मगर बेटे कंधे पर नहीं

जब तू जमीन पे खड़ा हो जाएगा ||

येबाप तुझे अपना सब कुछ दे जाएगा

तेरे कंधे पर दुनिया से चला जाएगा ||

विकास

बारहवीं (विज्ञान)

Behavior is always greater than knowledge.
School is always greater than temple.
Justice is always greater than decisions.
Believe in work not in luck. Trust in God but do not depend on him.

Divyanshi, Class - VI

“YOU WILL NEVER WIN UNTIL YOU BEGIN"

The important thing to accomplish any task is to begin. Beginning plays a crucial role. It has been rightly said that a journey of thousand miles begins with a single step.

There are people courageous and confident enough to start anything new at any time. On the other hand there are people who fail to muster the courage to begin. They keep on thinking and thinking and thinking and ultimately end up doing nothing. Actually what stops them from taking action, or making a beginning is their fear of failure. This fear does the greatest harm. It incapacitate people. There is no failure until one stops trying or accepts failure. Failures are nothing but a stepping stone to success. They are the necessary feedbacks. Why to worry about failures??

The important thing is to begin. One need not to be great or perfect to begin. Begin where you are. Use what you have. As the time progresses your confidence will grow and you will get ideas and tools to accomplish the work. Always remember this great quote, "He has half the deed done who has made a beginning."

Manisha, Class -X

The Best Project

Do you know the best project you'll ever work on?Just in case you didn't know… the best project you'll ever work on is.....YOU.

There is no project that will give you a greater return on investment, BETTER RESULTS… BETTER FINANCES…

The greatest version of you is waiting for you… but that version will only be realised if YOU DO THE WORK.You must do that work.

The problem is – most people aren't willing to put in that work.

They'd sooner pick up mobile before a book… because a book might remind them they have a long way to go…And Most people aren't willing to go the distance. All those EASY and comfortable choices NOW… lead to a HARDER LIFE, later.

All of those choices… little by little ADD UP to a GREAT, BIG PROBLEM later…. And that problem is called disappointment…And there really could be no greater pain than Disappointment
The good news is, that it is NEVER TOO LATE to start working on the best version of you. It's NEVER too late to say

"TODAY IS THE FIRST DAY OF THE REST OF MY LIFE."
It's NEVER TOO LATE to start reversing all the poor decisions you have made… by building new, stronger habits… that will lead to NEW, IMPRESSIVE RESULTS.

Problem number 2 most people don't have the staying power.

They want immediate results and quit far too soon… without reaching their actual potential… and then they go back to their old habits… which will bring about the same old RESULTS.

MINDSET and Discipline make difference between an AVERAGE life and a MAGIC LIFE.
THE BEST VERSION OF YOU is waiting for you to claim! But you'll never see that version if you quit.

And how sad would that be… you, NEVER meeting the best version of yourself because you gave up too soon!
YOU HAVE TO DECIDE!!!

There IS NO GREATER project.

- Keshav Sharma
12th Science

Your Best

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder
And if your best
Was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had in me"

- Garima Jangir, Class -VII

My Exam Fear

----------×----------

My exam was near
I was full of fear.
I studied all day and night
For my answers to be right
And my future to be bright
But still had a lot of fright.
My stress grew bigger
And my face became smaller.
Awful thoughts didn't let me sleep
All I did was weep and weep.
The next day was very creepy
And I was very sleepy.
Finally ! the exam was ON
All I had in my mind was neutron and proton.
Next time , I will study throughout the year
In order not to have that exam fear...!

- Navya, Class-X

HEALTH IS WEALTH

Health is wealth. There is nothing in our life that is more valuable than good health. Without health there is no happiness, no peace and no success. A person with bad health cannot enjoy the pleasure of being wealthy.

Health is more valuable than money. Money cannot buy health and happiness. But a healthy person remains in a state of bliss and happiness.

A healthy person is completely free from any illness or stress. A person with sound health enjoys a stable health that also includes a healthy mental condition. Our health depends upon several factors, such as food, sleeping habits, mental condition, air, water and sunlight. Morning walks and Physical exercises are very helpful for the fitness of our mind and body. We should take proper care of our health so that we can enjoy our life completely.

When we are ill or we do not want to play or work, our bad health robs us of sound sleep and appetite. Life becomes a burden for one, who is constantly ailing. Life has little charm for him. He feels tired of life, always complaining about one thing or the other.

On the other hand, one with good health enjoys his life. When he works or plays he is never tired. A healthy person enjoys good food and sound sleep. For him the world is beautiful and life is all joy.

- Manvardhan, Class- IX

Environment in Lockdown

Lockdown made the pollution come down greatly. Less number of trees were cut, less number of vehicles ran on the roads, less number of parties were organised, less number of animals were killed for their meat. Nature seemed to be happy after a long time. Environment is really happy. I want this type of clean and pollution free environment everywhere. If people really want clean environment, they should do a few things in unlock period also. They should grow more trees than they cut. They should not use vehicles unnecessarily. They should use things and resources judiciously.

- Aditi, Class - VII

Time management

"I must govern the clock, not be governed by it."

Time management is very crucial and important thing for every one in today's life. Main thing is what is time management? Time management is something which is related with utilisation of your available time to be more productive in your life. Everyone knows the importance of time management but not everyone is concerned with it. It is something which is very important. It can be said that if one has learned to manage time, he or she can do anything in his or her. Time is the stuff that life is made of. Therefore, wasting time amounts to wasting life. Managing your time effectively will help you to maximize your productivity. Here are some steps for better time management:

1. Avoid Time Wasters: time wasters can be anything. They may be devices like mobile phones ,laptops or they can be people with whom you feel you are wasting your time on social media apps like Facebook, Twitter, Instagram,etc. So try to avoid them as much as possible.

2.Set priorities: At the beginning of each day, make a list of the things you need to do. Put a timeline to each activity and then prioritize them based on their urgency, or time required to accomplish each. Doing this will help you determine what to do at which time.

3.Regular check: Always track your time. At night always audit your day time means how you manage your time that Day.

4.Multitasking : it can be a good tip for time management or as well as a bad tip. Because it all depends on whether you are able to do multitasking or not. If yes, then it will save your lot of time and if not, you will waste your time. In this case you should focus on one task at a time.

5. And the last but not the least is determination and having a positive attitude: Every tip will work when you are determined. It is not necessary that you will do your all tasks in a day but main thing is that you had tried your best.

In the end , we can say that time management is something which will help you succeed in life. So try to manage your time well.

-A Sujjal, XII-Commerce

Sun

The sun gives us light.
Sometimes it's really bright.
Without the sun it would be dark.
And everywhere is only night.

The sun has energy.
It warms the air and the sea.
It warms the land and the sand.
And it also warms you and me.

-Iqra, Class-VII

I Miss My School

The outbreak of Covid-19 (Corona Virus disease 2019) forced everyone to stay at home. The country underwent lockdown for many days due to Corona-19 pandemic. Schools and colleges were closed for students. In the beginning, we felt very happy to have unexpected holidays. Within few days of holidays, we realised the importance of school. Now not to go to school gives no joy. I miss my school very much. I miss everything related to school: my classroom, my teachers , play ground ,labs, library, morning assembly, co- curricular activities. I miss having lunch together with friends, enjoying swings and slides during recess. I miss our teachers' words of wisdom, guidance and instructions. I want to go the school very much.

May the situation change and the school open soon!

- Iqra, Class-VII

Examination (Test)

The toughest nation
Is our examination.
If we like it
Our marks will be like IT.

No one can change test
Therefore we must give our best
If not
We will be naught.

Exams are like hurdles.
It cannot be crossed by turtles.
It we prepare well…
Our marks will be like an attractive Dell.

If we fear about the future…
It will make us rupture.
Always enjoy what we do…
It will make us one above the two…

We should take care of our health.
It will make us zenith
Study, study, study…
It will never make us worry….

Dhiren Sharma
Class 6th

My Lockdown Experience

When the first few cases of Corona Virus were detected in India, no student had thought that such a time would also come when he/she wouldn't have to go to school. To check the spread of COVID-19, as a precautionary measure, schools were closed for students in Haryana till 31March. A few days later the Government of India announced the lockdown on March 22nd for 21days starting from 25 March. Then the lockdown phases started.

The first few days of lockdown went by as normally as it could. In fact, I was happy that I and my family would now get to spend some time together. We tried to add some fun into our lives by playing some indoor board games. I read books and motivational articles to stay positive and motivated. In fact, I thought of utilizing this free time by learning new skills. I learnt playing guitar and singing songs. I learnt many new & interesting recipes. For someone like me who hardly entered the kitchen before found a daily status for my whatsapp with a new dish. My creative self was happy during lockdown despite being worried.

--Rinku, Class- XII Comm

Riddles

1. I am a great devil, sitting on nose, holding ears. Who am I ?

2. I am round but not a ball, glass but not mirror, I give light but not sun. Who am I ?

3. I have hands, but I can't clap. Who am I ?

4. What has to be broken before you can use it ?

5. What question can you never answer 'yes' to ?

6. What goes up, but never comes down ?

7. I have branches, but no fruits, trunk or leaves. Who am I ?

8. What is full of holes but still holds water?

9. What has legs, but doesn't walk ?
Ans. A table/A chair

10. What is it that we bring to eat but don't eat ?

Ans. 1- spectacles, 2- A bulb, 3- A clock, 4- An egg, 5- Are you asleep now?, 6-Age of anybody or anything, 7- A bank, 8- A sponge,9- A table/ A chair, 10-Utensils

Riddles

1. I am tall when I am young and I am short when I am old . What am I?

2. What gets wet while drying?

3. What is always in front of you but can't be seen?

4. What has lots of eyes but can't see?

5. What can you catch but not throw?

6. I am green but not a leaf , I am a copycat but not a monkey . What am I?

7. What kind of band never plays music?

8.Name the country.

i. I +   = ?

ii. J +   = ?

9 What go up and down but never moves?

Answer - 1-A Candle, 2-A Towel, 3-Future, 4-A Potato, 5- Cold, 6- A Parrot, 7- Rubber band, 8- Iran, Japan, 9-Temperature

Shikha Chopra, Class-X

 ReplyForward

हास्यश्लोकाः

कमला कमले शेते, हर शेते हिमालये
क्षीराब्धो च हरिः शेत, मन्ये मत्कुणशंकया ।।

वैधराज नमस्तुभ्यं यमराजस्य सहोदरः
यमस्तु हरते प्राणान् वैधः प्रणान् धनानी च ।।

उष्ट्राणां विवाहेतु गीत गयन्ति गर्दभाः
परस्पंर प्रशंसन्ति अहो रूप, अहो ध्वनिः ।।

परान्नं प्राप्य दुर्बुद्धे, माँ शरीर दयां कुरु
परान्नं दुर्लभं लोके शरीरणि पुनः पुनः ।।

नाम – अमन यादव
कक्षा – नौवीं

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्यों महान् रिपुः।
नास्त्युद्यमसमों बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।।

उद्यवेन हि सिध्यन्ति कार्याणी न मनोरयैः।
न हि सुप्तस्य सिहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः।।

वाणी रस्वती यस्य, यस्य, श्रमवति क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं।।

न कच्श्चित कस्यचित मित्रं न कच्श्चित कस्यचित रिपुः।
व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिप्वस्तया।।

नाम – मुस्कान यादव
कक्षा – आठवीं

मम मातृभूमिः

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीरासी"।

मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम्

अस्माकं रक्षणं पोषणं च करोति।

'माता भूमि पुत्रोऽहं पृशिव्याः' इति

वेदवाक्यम् असित। मातृभूमि सर्वैः

नरैः वन्दनीया भवति।

येन–केन–प्रकारेण मातृभूमेः रक्षणं करणीयम्।

नाम – आनिया

कः किम् कर्त्तुम् न शक्तः

अन्धः किर्माप न द्रष्टुम् शक्तः
पंगु र्व्याप न चलितुम् शक्तः।
मूकः किमपि न वक्तुम् शक्तः
बधिरः श्रांतुम् भवत्यशक्तः।।

मूढ़ः बोध्दूम् न भवति शक्तः
न चापि भीरूः योद्धूम् शक्तः।
शयने रोगी भावत्यशक्तः
दीनः किमपि न दातुम् शक्तः।।

वृद्धः न भारं वोदुम् शक्तः
ईर्ष्युः कमपि न सोढुम् शक्तः।
नैव धावितुम् स्थूलः शक्तः
लोभी शान्त्या स्वपितुमशक्तः।।

अलसः मूर्खः निद्रायुक्तः
कार्यम् किमपि न कर्तुम शक्तः।
सदैव मिथ्या चरणे शक्तः
नैव स सत्यं द्रष्टुम् शक्तः।।

नाम – ईशान्त कुमार
कक्षा – नौवीं

माँ

माँ, माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार,
न त्वया सदृश्य कस्याः स्नेहम्,
करूणा – ममतायाः त्वम् मूर्ति,
न को अपि कर्त्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति।

तव चरणयोः मम जीवनम् अस्ति,
'माँ' शब्दस्य महिमा अपार,
न माँ सदृश्य कस्याः प्यार,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार।।

नाम – कार्तिक 1
कक्षा – नौवीं

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम् अपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् चापि मातेराम्।
भ्रमराणां, पशूनां,
पक्षिणां च मानास्ति
जनेभ्यः जीवन सदा
ददाति प्रकृति माता।।
अस्ति सा तु मनोहरी
मातृणाम् अपि मातास्ति
प्रकृति माता सूवेषाम्
नमोस्तु ते मात्रे प्रकृत्यैः।।।

नाम – रीता
कक्षा – नौवीं

सर्वेभ्यः शिक्षिकाभ्यः शिक्षकेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम् निर्माणम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तम् ज्ञानम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्रजनानाम्
'गुरू' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरूणाम् मम शतं शत प्रणामः।।

नाम – विजेता
कक्षा – नौवीं

विश्वसंस्कृतम्

कालिदासपूजितं विश्वसंस्कृतम्

वाल्मीकी – कूजिंत विश्वसंस्कृतम्

श्रीहर्ष – हर्षितं विश्वसंस्कृतम्

भारविणा भाषितं विश्वसंस्कृतम् ।।

सर्वलोक – वन्दितं विश्वसंस्कृतम्

सर्वभोगमण्डितं विश्वसंस्कृतम्

सर्वदेव – पूजितं विश्वसंस्कृतम्

व्यासदेव – सेवितं विश्वसंस्कृतम्।।

मैक्समूलर मण्डित विश्वसंस्कृतम्

आङ्गलभाष मण्डितं विश्वसंस्कृतम्

ग्रीक् – लाटिन – दर्शितं विश्वसंस्कृतम्

सर्वभाषा – सोवत विश्वसंस्कृतम् ।।

माद्यवाक्य – बोधकं विश्वसंस्कृतम्

कादम्बरीभाषितं विश्वसंस्कृतम्

सर्वकाव्य – चिन्तितं विश्वसंस्कृतम्

मानवत्व – ज्ञापकं विश्वसंस्कृतम् ।।

सुभाषित – भाषितं विश्वसंस्कृतम्

चाणक्येन शिक्षितं विश्वसंस्कृतम्

राजनीति – दर्शितं विश्वसंस्कृतम्

यत्र तत्र वर्णितं विश्वसंस्कृतम् ।।

नाम – अमन यादव

कक्षा – नौवीं

कश्चित् कस्यचिन्मत्रं न काम कस्यचित् रिपुः।
अर्थतस्तु निबध्यन्ते, मित्राणि रिपवस्तभा।।

प्रदोषे दीपक रू चन्द्ररू, प्रभाते दीपकरूरविरू।
त्रैलोक्ये दीपकरूधमरू, सुपुत्ररू कुलदीपकरू।।

छदति प्रतिगृहाति गुहामाख्यति पृच्छति।
भुडक्ते भोजयते चैव षड्विधं प्रीतिलक्षणम्।।

वाणी रसवती सस्य, यस्य श्रमवती क्रिया।
लक्ष्मीः दानवती यस्य सफलं तस्य जीवितं।।
नाम – दिपांशु
कक्षा – नौवीं

आत्मा न जायते न म्रियते.....

वासांसि जीर्णानि राधा विहाय नवानि गृहणाति नरोऽराविम्
तथा शरीराणि विहाय जर्णीन्यानि संयाति नवानि देही।।
नैनं छिन्दति शस्त्राणिं नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदरानयापो न शोषयति मारूतः।।
जातस्य हि अतों मृत्यूर्ध्रव जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽथै न त्वं शोचितुमर्हसि ।।
नाम – प्रियाँशु
कक्षा – दसवीं

WALL OF

WALL OF

एक भारत-श्रेष्ठ भारत
समाचार-वाचन
[तेलंगाना-प्रांत]

एक भारत-श्रेष्ठ भारत
समाचार-वाचन
[तेलंगाना-प्रांत]

Swachhata School Exhibition Day
ALAYA
राष्ट्रीय एकता शिविर (एक भारत, श्रेष्ठ भारत
ONAL INTEGRATION CAMP UNDER THE THEME (EK BHARAT
द्यालय संगठन गुरुग्राम संभाग
विद्यालय संगठन, गुरुग्राम संभाग
A VIDYALAYA SANGATHAN, GURUGRAM REGION
ष्ट्रीय एकता पर्व 2019-20 (संकुल स्तरीय)
TRIYA EKTA PARV 2019-2 ISTER LEVEL)
OM 26.08.2019 TO 27 019

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
गुरुग्राम संभाग/Gurugram Region
संभागीय प्रोत्साहन पुरस्कार 2019
REGIONAL INCENTIVE AWA 2019
दिनांक/Date: 01 मार्च
केन्द्रीय विद्यालय न.1 वायु
Kendriya Vidyalaya No

KENDRIYA VIDYALAYA
RAGHUNATHPURA

Mahatma Gandhi
Swachh Vidyalaya Programme
K.V. Raghunathpura Narnaul

virsa

केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA
RAGHUNATHPURA

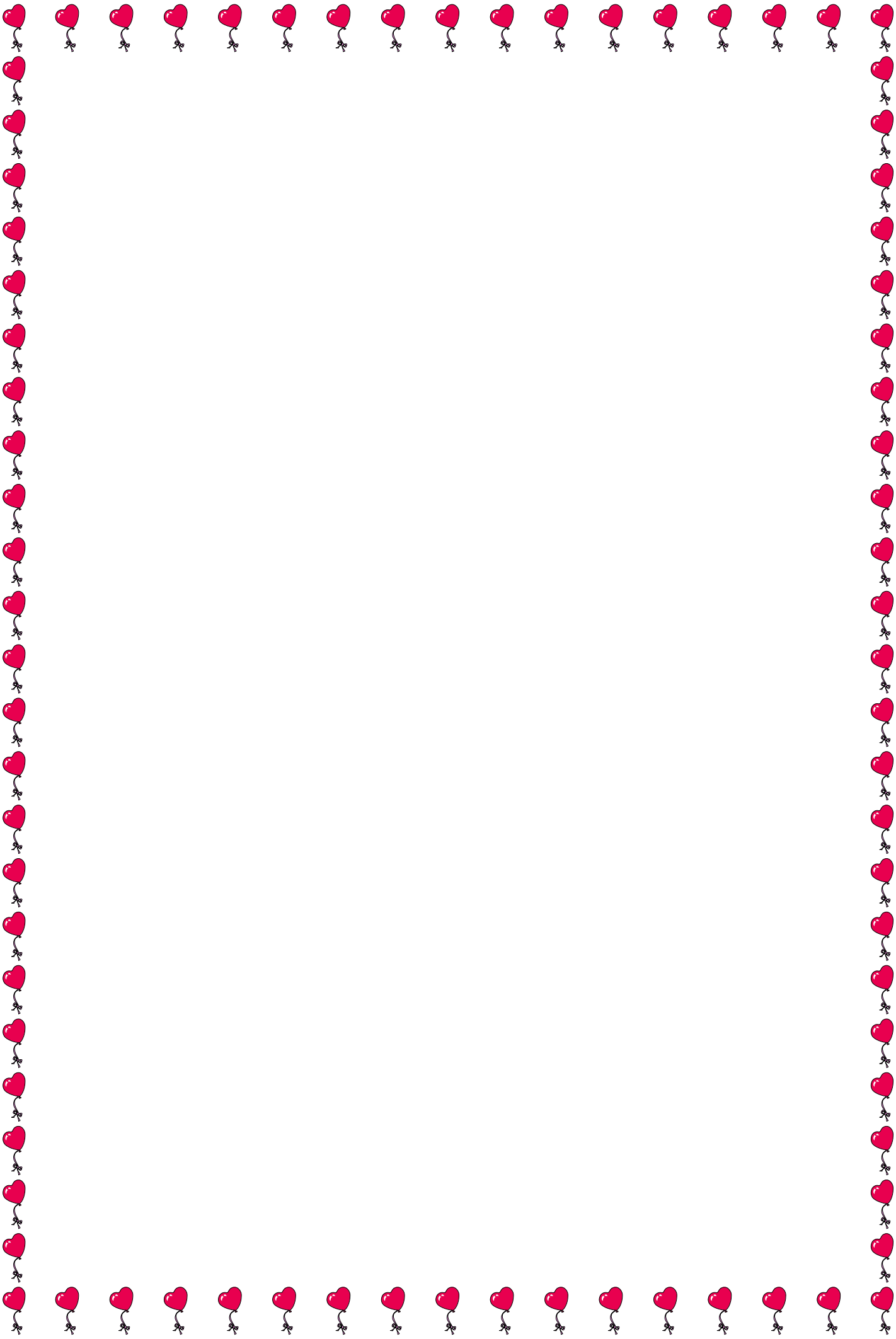

Vigilance
Awareness
week-2019
Integrity-A way of
Life

KENDRIYA VIDYALAYA

केन्द्रीय विद्यालय

केन्द्रीय विद्यालय
KENDRIYA VIDYALAYA

STALL

KENDRIYA VIDYALAYA
RAGHUNATHPURA

GLORIOUS MEMROY